हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "ए" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 342 | देहरादून रविवार 08 मार्च 2026 | मूल्य :रू 2 | पृष्ठ : 8

केदारनाथ से कन्याकुमारी तक बाहर होंगे घुसपैठिया : अमित शाह

- केंद्रीय गृहमंत्री ने 'जन जन की सरकार, 4 साल बेमिसाल' कार्यक्रम के तहत हरिद्वार में आयोजित विशाल जनसभा को किया संबोधित

- अमित शाह बोले उत्तराखंड की समस्याओं को चुन चुन कर हल कर रहे हैं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

हरिद्वार(संवाददाता)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को हरिद्वार के बैरागी कैम्प में 'जन जन की सरकार, 4 साल बेमिसाल' कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने संबोधन की शुरुआत उत्तराखंड राज्य आंदोलन से करते हुए कहा कि, उत्तराखंड के युवाओं को अपनी पहचान, संस्कृति बचाने के साथ ही अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरना पड़ा, लेकिन इसके लिए उन्हें रामपुर तिराहा कांड जैसी हिंसा का सामना करना पड़ा। इसके बाद केंद्र में भाजपा सरकार बनने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने उत्तराखंड के साथ ही झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों का निर्माण करने का निर्णय लिया, आज ये तीनों राज्य तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि उन्होंने कहा था कि

उत्तराखंड को अटल जी ने बनाया है, अब इसे संवारने का काम मोदी जी करेंगे, इसी क्रम में 2017 से 2026 तक का कालखंड, उत्तराखंड के विकास को समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि बीते चार सालों में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड की सभी समस्याओं को चुन- चुन कर समाप्त करने का काम किया है। इस कारण उत्तराखंड अब दोगुनी रफ्तार से विकास के रास्ते पर बढ़ रहा है।तीन साल के भीतर मिलेगा न्याय : केंद्रीय गृह मंत्री ने सभी लोगों खासकर अधिवक्ता वर्ग से अपील करते हुए कहा कि वो नई न्याय संहिता पर लगाई गई प्रदर्शनी का जरूर अवलोकन करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंग्रेजों के बनाए डेढ़ सौ साल पुराने कानूनों को बदलने का काम किया है, 2028 में नई न्याय संहिता के सभी प्राविधान पूरी तरह अमल में आ जाएंगे। इसके बाद किसी भी मामले में थाने में एफआईआर दर्ज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट तक फैसला आने में अधिकतम तीन वर्ष का समय लगेगा। उन्होंने इसे दुनिया की सबसे आधुनिक ओर वैज्ञानिक न्याय सहिंता करार दिया।केंद्रीय गृह मंत्री ने सीएए कानून के तहत भारत की नागरिकता प्राप्त करने वाले शरणार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि, पाकिस्तान, अफगानिस्तान से आने वाले हिंदू, सिख, बौध और जैन शरणार्थियों का इस देश पर उतना ही अधिकार, जितना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का है। लेकिन अब तक तुष्टिकरण की नीति के चलते उन्हें भारतीय नागरिकता से विंचित रखा गया। ये शरणार्थी अपना धर्म और परिवार की इज्जत बचाने के लिए, भारत में आए हैं, इसलिए वो किसी के भी विरोध के बावजूद, ऐसे लोगों को भारतीय नागरिकता देने के निर्णय पर अडिग रहेंगे।

सीएम के नेतृत्व में लोगों का रिवर्स पलायन हो रहा : टम्टा

हरिद्वार(संवाददाता)। केंद्रीय कपड़ा राज्य मंत्री अजय टम्टा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में लोगों का रिवर्स पलायन शुरू हुआ है। पहाड़ के लोग गांवों को वापस लौट रहे है। केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं के धरातल पर क्रियान्वयन की वजह से राज्य का चहुंमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने यह बात चार साल बेमिसाल कार्यक्रम के दौरान जनसभा को संबोधित करते कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार काम कर रही है। देश में सभी क्षेत्रों में प्रगति हो रही है। विश्व के 198 देशों में भारत का कीर्तिमान और वैभव आगे बढ़ रहा है। भारत के विश्व में बढ़ते वर्चस्व के पीछे भारत की जनता है।

नूतन न्याय संहिता पर राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ

हरिद्वार(संवाददाता)। गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को बैरागी कैम्प में उत्तराखंड सरकार द्वारा नूतन न्याय संहिता" विषय पर आयोजित राज्यस्तरीय प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। यह प्रदर्शनी भारत सरकार द्वारा लागू किए गए भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम ख़के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। यह प्रदर्शनी आम नागरिकों, अधिवक्ताओं, पुलिस अधिकारियों, अभियोजन अधिकारियों सहित सभी हितधारकों को आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली से अवगत कराने के लिए उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। प्रदर्शनी में न्याय संहिताओं की प्रमुख विशेषताओं को सरल, दृश्य एवं इंटरैक्टिव माध्यमों से प्रस्तुत किया गया है। इसमें समयबद्ध जांच एवं चार्जशीट की अनिवार्यता, जीरो थ्रू एवं ई-एफआईआर की व्यवस्था, सात वर्ष से अधिक दंडनीय अपराधों में अनिवार्य फॉरेंसिक जांच, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल साक्ष्यों की वैधता, महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध अपराधों के लिए सशक्त प्रावधान सभी सभी प्रमुख विशेषताएं शामिल हैं। विदित है कि भारतीय न्याय संहिता जैसे नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में उत्तराखंड देश में पहले स्थान पर रहा है। प्रदर्शनी 9 मार्च तक जारी रहेगी। प्रदर्शनी के जरिए बयां हो रही है विकास गाथा : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को ही हरिद्वार के बैरागी कैम्प में उत्तराखंड सरकार की विकास परख उपलब्धियों पर आधारित विकास प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने अलग अलग स्टॉल पर जाकर विकास प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। यह प्रदर्शनी उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा बीते चार वर्षों में किए गए विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों पर आधारित है।

संक्षिप्त समाचार...

कार्यक्रम में संतों का समागम

हरिद्वार(संवाददाता)। राज्य सरकार के चार साल बेमिसाल उत्सव के तहत आयोजित कार्यक्रम में संत समाज की गरिमामयी उपस्थिति भी देखने को मिली। कार्यक्रम में विभिन्न अखाड़ों के महामंडलेश्वर, संत और साधु बड़ी संख्या में मौजूद रहे। आयोजन स्थल पर संतों के लिए अलग से विशेष स्थान की व्यवस्था की गई थी। संत समाज की मौजूदगी से कार्यक्रम का माहौल आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रंग में रंगा नजर आया। इस अवसर पर संतों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को आशीर्वाद दिया। संतों ने राज्य की उन्नति और जनकल्याण के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

शानदार भीड़ ने किया गृहमंत्री का स्वागतः

'जन जन की सरकार, 4 साल बेमिसाल' कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का मंच पर पहुंचने पर जोरदार नारेबाजी के साथ स्वागत किया। आयोजन में महिलों और युवाओं की विशेष उपस्थिति रही, पूरे प्रदेश भर से लोग आयोजन के लिए हरिद्वार पहुंचे। उत्साहित जनसमुदाय की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच केंद्रीय गृहमंत्री और मुख्यमंत्री ने विस्तार से अपनी बात रखी।

संयुक्त चिकित्सालय प्रेमनगर का होगा उच्चीकरण

देहरादून(संवाददाता)। कैंट विधायक सविता कपूर ने संयुक्त चिकित्सालय प्रेमनगर के उच्चीकरण और पुनर्निर्माण की घोषणा पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया है। विधायक सविता कपूर ने कहा कि प्रेमनगर अस्पताल के उच्चीकरण की मांग लंबे समय से की जा रही थी।

सम्पादकीय

कबूतरी संचार की पुरानी व्यवस्था

ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 श्पिजन लॉफ्ट सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे।आज के डिजिटल युग में जहां व्हाट्सएप, वीडियो कॉल, इंटरनेट और सैटेलाइट फोन से पल भर में संदेश दुनिया के किसी भी कोने में पहुंच जाते हैं, वहां एक प्राचीन संचार माध्यम अभी भी जीवित है ख्र श्कैरियर पिजन सर्विस्र। यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं, बल्कि वास्तविकता है। ओडिशा पुलिस की कैरियर पिजन सर्विस दुनिया की एकमात्र ऐसी पुलिस फोर्स है जो इस विरासत को आज भी संरक्षित रखे हुए है। यह सेवा न सिर्फ इतिहास की याद दिलाती है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं में जब आधुनिक संचार व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है, तब एक विश्वसनीय बैकअप के रूप में काम आती है। एक ऐसा माध्यम जो हजारों वर्षों से मानव सभ्यता का अभिन्न अंग रहा है।

श्कैरियर पिजन्न या श्होमिंग पिजन का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है। मिस्र में लगभग 3000 ईसा पूर्व से ही कबूतरों को संदेशवाहक के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। फारस, यूनान और रोमन साम्राज्य में इनकी व्यापक उपयोगिता थी। यूनानियों ने ओलंपिक खेलों के परिणाम इन कबूतरों के जरिए शहर-दर-शहर पहुंचाए। चंगेज खान ने अपने विशाल साम्राज्य में श्पिजन नेटवर्क्र स्थापित किया। मध्यकाल में यूरोप के युद्धों और मध्य पूर्व के व्यापारियों ने इनका सहारा लिया। भारत में भी यह परंपरा बहुत पुरानी है। चंद्रगुप्त मौर्य के काल में फारसी प्रभाव से श्पिजन पोस्ट्र शुरू हुई थी। मुगल और ब्रिटिश काल में पुलिस और सेना दोनों ने इसका इस्तेमाल किया। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में श्कैरियर पिजन्स्र ने जान भी बचाई, फ्रांस में श्चेर आमी्र नामक कबूतर ने 194 अमेरिकी सैनिकों की जान बचाई थी। भारत में भी ब्रिटिश काल से पुलिस स्टेशनों के बीच संचार के लिए श्पिजन सर्विस्र चली आ रही थी।

लेकिन आज की बात करें तो ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 श्पिजन लॉफ्ट्स्र सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे। हर लॉफ्ट पर एक इंस्पेक्टर, तीन सब-इंस्पेक्टर, एक सहायक सब-इंस्पेक्टर और 35 कांस्टेबल तैनात थे। यह सेवा न सिर्फ सामान्य संचार, बल्कि चुनावों और आपदाओं में भी काम आई। 1976-77 के चुनावों और 1982 के श्फ्लैश फ्लड्स्र में जब सड़कें-ब्रिज बह गए और वायरलेस-टेलीफोन फेल हो गए, तब इन कबूतरों ने सरकारी संदेश पहुंचाए।सबसे रोचक घटना 13 अप्रैल 1948 की है। तब भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू संबलपुर, ओडिशा में थे। उन्हें 265 किलोमीटर दूर कटक में तत्काल निर्देश भेजने थे, सुबह 6 बजे नेहरू का हस्तलिखित संदेश लेकर एक श्कैरियर पिजन्न उड़ा। ठीक 11:20 पर, यानी महज 5 घंटे 20 मिनट में, वह कटक पहुंच गया। जब नेहरू खुद कटक पहुंचे तो अपना मूल संदेश और वही कबूतर देखकर दंग रह गए, वे हैरान और प्रसन्न थे। यह घटना ओडिशा पुलिस की श्पिजन सर्विस्र की विश्वसनीयता का जीवंत प्रमाण है।1954 में दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय डाक प्रदर्शनी में इन कबूतरों का प्रदर्शन किया गया। 1989 में तत्कालीन राष्ट्रपति आर। वेंकटरामन जब कटक आए तो इन कबूतरों को देखकर मुग्ध हो गए। 1999 के श्सुपर साइक्लोन्न में जब तटीय इलाकों में संचार लाइनें पूरी तरह ठप हो गईं, तब इन कबूतरों ने लाज रखी। इनकी गति औसतन 55 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। ये एक बार में 400-500 किलोमीटर उड़ने की क्षमता रखते हैं। श्बेल्जियन होमर्र नस्ल के ये कबूतर चुंबकीय क्षेत्र का पता लगाकर अपने घोंसले तक आसानी से पहुंच जाते हैं। 2008 में आधुनिक संचार के चलते इसे औपचारिक रूप से बंद कर दिया गया। लेकिन ओडिशा पुलिस ने इसे पूरी तरह खत्म नहीं होने दिया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के आदेश पर दो श्लॉफ्ट्स्र अभी भी बरकरार रखे गए, एक कटक में ओडिशा पुलिस मुख्यालय पर 105 श्बेल्जियन होमर पिजन्न और दूसरा अंगुल के पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज पर 44 पिजन। कुल लगभग 150 प्रशिक्षित कबूतर आज भी सेवा में हैं। अब इन्हें सिर्फ सांस्कृतिक और औपचारिक उपयोग के लिए रखा गया है। ये कबूतर गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस की परेड में शांति, प्रेम और स्वतंत्रता का संदेश लेकर उड़ते हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में 25 कबूतरों ने 30 किलोमीटर की दूरी मात्र 29 मिनट में तय की। आज जब साइबर हमले, प्राकृतिक आपदाएं और इमरजेंसी में मोबाइल नेटवर्क फेल हो जाते हैं, तब यह सेवा सिर्फ विरासत नहीं, बल्कि सुरक्षा की गारंटी है।

कैसा भूमंडलीकरण, कैसी विश्व व्यवस्था?

श्रुति व्यास

साफ दिखलाई दे रहा है कि भूमंडलीकरण इतिहास की अनिवार्य धारा नहीं है, बल्कि मानों एक ऐसी व्यवस्था जैसी है जो परिस्थितियों पर निर्भर है। और वह लगातार खतरे के नीचे खड़ी है। कोई भी समय कभी भी इस पूरी व्यवस्था को पटरी से नीचे उतार सकता है, जैसे इस समय भूमंडलाकरण के साथ वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था में भी नजर आ रहा है।इजराइल-अमेरिका बनाम ईरान की लड़ाई ने फिर दुनिया को ठिठका दिया है। वजह वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कनों में एक होर्मुज जलडमरूमध्य है। ईरान और खाड़ी देशों के बीच स्थित यह मार्ग दुनिया के लगभग पाँचवें हिस्से के तेल का रास्ता है। इसलिए जब यहाँ युद्ध या तनाव की आशंका पैदा होती है, तो असर केवल मध्य-पूर्व में ही सिमटा नहीं रहता। तेल बाजार से लेकर करेंसी बाजार, जहाजरानी से लेकर बीमा उद्योग और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था हिलने लगती है। और ताजा लड़ाई ने विश्व राजधानियों में फिर यह सवाल पैदा किया है कि दुनिया को गाँव में बदलने वाले वैश्वीकरण की बुनियाद कितनी पुख्ता है?तीन दशकों से यह विश्वास गहरा है कि वैश्वीकरण की प्रक्रिया का पलटना या थमना संभव नहीं है। उत्पादन और व्यापार की शृंखलाएँ महासागरों के पार फैल चुकी थीं। पूँजी की लगभग बिना रुकावट एक देश से दूसरे देश में आवाजाही है। एक महाद्वीप में बना सामान कुछ ही हफ्तों में दूसरे महाद्वीप की दुकानों तक पहुँच जाता है। दुनिया की अर्थव्यवस्था अब इतनी परस्पर जुड़ चुकी है कि उसका ढहना लगभग असंभव है।इस विश्वास को समय-समय पर झटके लगे हैं। युद्धों ने विश्व व्यापार को बाधित किया और महामारी ने वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था को अचानक रोक दिया। कोविड-19 के दौरान बंदरगाहों पर कंटेनर अटक गए, कारखाने बंद हुए और अंतरराष्ट्रीय व्यापार धीमा हुआ। लेकिन इसके बावजूद वैश्वीकरण रुका नहीं। वह कुछ समय के लिए ठहरा, फिर अपने को नए हालात के अनुरूप ढालकर आगे बढ़ गया। जैसे ही अर्थव्यवस्थाएँ खुलीं, व्यापार फिर तेजी से लौट आया। कंटेनर जहाजों ने फिर समुद्र पार करना शुरू किया, डिजिटल व्यापार और तेज हुआ। वैश्विक पूँजीवाद की व्यवस्था ने फिर अपना लचीलापन दिखाया।लेकिन आज का संकट अलग प्रकृति का है। महामारी उत्पादन और आपूर्ति को बाधित करती है, जबकि युद्ध उन रास्तों को ही खतरे में डाल देता है जिनसे पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था चलती है। ईरान से जुड़ा संकट इसी कारण दुनिया की चिंता है, क्योंकि यह वैश्विक व्यापार की उन धमनियों को छूता है जिन पर पूरी व्यवस्था टिकी है।होर्मुज जलडमरूमध्य सबसे संवेदनशील बिंदु है। दुनिया के लगभग पाँचवें हिस्से का तेल इसी मार्ग से गुजरता है। यदि यह मार्ग अस्थिर होता है, तो उसके असर बहुत दूर तक होंगे। तेल की कीमतें तुरंत उछलने लगती हैं। इसके बाद माल ढुलाई का खर्च बढ़ता है, बीमा प्रीमियम ऊपर जाते हैं। मुद्रा बाजारों में अस्थिरता छा जाती है। कुछ ही दिनों में यह कंपन वैश्विक अर्थव्यवस्था के कई हिस्सों में महसूस होने लगता है।यहीं वैश्वीकरण की असली भौगोलिक सच्चाई है। दुनिया भले ही सीमा-रहित दिखाई देती हो, लेकिन वैश्विक व्यापार वास्तव में कुछ ही संकरे रास्तों पर निर्भर है। होर्मुज जलडमरूमध्य, स्वेज नहर और मलक्का जलडमरूमध्य ऐसे ही मार्ग हैं। जब इन रास्तों पर संकट आता है, तब वैश्वीकरण किसी अटूट व्यवस्था की तरह नहीं बल्कि भू-राजनीतिक स्थिरता पर निर्भर एक नाजुक ढाँचे की तरह खड़ा दिखता है।ईरान संकट एक और गहरे बदलाव की ओर भी संकेत है। शीत युद्ध के बाद यह मान लिया गया था कि आर्थिक परस्पर निर्भरता भू-राजनीतिक संघर्षों को सीमित कर देगी। जो देश वैश्विक अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़े होंगे, वे ऐसे कदम नहीं उठाएँगे जो उनकी अपनी समृद्धि को नुकसान पहुँचाएँ।लेकिन पिछले कुछ वर्षों की घटनाएँ इस विश्वास को कमजोर कर रही हैं। यूक्रेन युद्ध ने यूरोप की ऊर्जा व्यवस्था को हिला दिया है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता तनाव तकनीकी आपूर्ति शृंखलाओं को विभाजित कर रहा है। मतलब अब ईरान से जुड़ा संकट एशिया की आर्थिक वृद्धि को ऊर्जा देने वाले तेल मार्गों को ही खतरे में डाल दे रहा है।इसका मतलब यह नहीं कि वैश्वीकरण समाप्त हो रहा है। लेकिन उसका स्वरूप बदल रहा है। अब वह पहले की तुलना में अधिक रणनीतिक, अधिक सतर्क और शक्ति-राजनीति के दबावों के प्रति अधिक संवेदनशील हो गया है।भारत के लिए इसके निहितार्थ तत्काल असर दिखा रहे हैं। भारत अपनी कच्चे तेल की लगभग 85 प्रतिशत आवश्यकता आयात से पूरी करता है। इसलिए ऊर्जा सुरक्षा उसकी स्थायी रणनीतिक चिंताओं में से एक है। भारत के तेल आयात का लगभग 40 प्रतिशत होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। इसलिए जब खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, तो उसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर बहुत जल्दी दिखाई देता है। तेल महँगा होता है, आयात बिल बढ़ता है, महँगाई का दबाव बनता है और रुपये पर असर पड़ता है।यह जोखिम केवल कीमत का नहीं, आपूर्ति का भी है। भारत के सामरिक पेट्रोलियम भंडार विशाखापत्तनम, मंगलुरु और पदूर में स्थित हैं। इन भंडारों में लगभग 39 मिलियन बैरल कच्चा तेल रखा जा सकता है, जो किसी गंभीर संकट की स्थिति में लगभग पाँच से छह सप्ताह की खपत को पूरा कर सकता है। प्रतिदिन पाँच मिलियन बैरल से अधिक तेल खपत करने वाले देश के लिए यह सुरक्षा उपयोगी तो है, लेकिन सीमित भी है।पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस जोखिम को संतुलित करने की कोशिश की है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रियायती रूसी कच्चे तेल की खरीद तेजी से बढ़ा दी। रूस, जो पहले भारत के तेल आयात का बहुत छोटा स्रोत था, कुछ समय के लिए उसका सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया।लेकिन ऊर्जा सुरक्षा अब केवल आर्थिक सवाल नहीं रही। वह सीधे भू-राजनीति से जुड़ चुकी है। नई दिल्ली को एक सावधानी भरे कूटनीतिक संतुलन के साथ आगे बढ़ना पड़ रहा है।2025 में अमेरिकी प्रशासन ने भारतीय निर्यात पर भारी शुल्क लगाए और इसका भी असर हुआ। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले 25 प्रतिशत शुल्क लगाया, फिर अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क भी, जो भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद जारी रखने से जुड़ा था। इससे कुछ भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क लगभग 50 प्रतिशत तक था। संकेत साफ था कि ऊर्जा के फैसले अब भू-राजनीतिक हिसाब-किताब से अलग नहीं रहे।बहरहाल वह संकट अभी हाशिए में है। लेकिन इस पूरे प्रकरण का एक स्पष्ट सबक है। भारत की आयातों पर अत्यधिक निर्भरता जोखिम भरी है। पेट्रोलियम पदार्थ और ऊर्जा से जुड़े फैसले अब केवल कारोबारी नहीं हैं बल्कि वे भू-राजनीतिक बिसात का हिस्सा हैं।ईरान संकट ने भारत की इस दुविधा को और जटिल बना दिया है। यदि खाड़ी क्षेत्र से तेल की आपूर्ति बाधित होती है, तो रूस से तेल खरीदना फिर एक आर्थिक अनिवार्यता होगी। लेकिन तब अमेरिका के साथ नए तनाव भी पैदा हो सकते हैं।यही मौजूदा वैश्वीकरण का विरोधाभास है। आर्थिक परस्पर निर्भरता स्थिर समय में अमीरी लाती है, लेकिन वही व्यवस्था दूर के युद्धों का भी असर हर देश की अर्थव्यवस्था में चिंता पैदा कर देती है।हालांकि वैश्वीकरण एक युद्ध से समाप्त नहीं होगा। लेकिन आज वह पहले की तुलना में अधिक नाजुक निश्चित ही दिखाई दे रहा है। क्योंकि यह केवल व्यापार मार्गों का जाल नहीं था। यह बड़ी शक्तियों के बीच एक वैश्विक गाँव के भीतर राजनीतिक अनुशासन पर भी टिका है। और अनुशासन जब कमजोर पड़ने लगता है, तो व्यवस्था तुरंत नहीं टूटती, लेकिन उसका असुरक्षित होना स्पष्ट दिखाई देने लगता है। ऐसे क्षणों में भूमंडलीकरण इतिहास की अनिवार्य धारा नहीं लगता, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था जैसा दिखाई देता है जो परिस्थितियों पर निर्भर हैख्रऔर लगातार खतरे के नीचे खड़ी है। समय कभी भी पूरी व्यवस्था को पटरी से नीचे उतार देता है, जैसा वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था में भी इस समय दिखलाई दे रहा है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

संक्षिप्त समाचार...

देसंविवि में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रांफ्रेंस का शुभारंभ

हरिद्वार(संवाददाता)। देव संस्कृति विवि शांतिकुंज तथा वर्ल्ड एसोसिएशन आफ हिन्दू एकेडमिसिएंस (वाहा) के तत्वावधान में हिन्दुत्व से विकसित भारत विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस तथा देसंविवि व भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के तत्वावधान आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर डॉ. चिन्मय पण्ड्या, आरएसएस के सह सरकार्यवाह पद्मश्री सुरेश सोनी, प्रो. नचिकेता तिवारी सहित अन्य अतिथियों ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आरएसएस के सह सरकार्यवाह सुरेश सोनी ने कहा कि ऋग्वेद का मंत्र हमें मनुर्भव (मनुष्य बनो) का संदेश देता है ताकि समाज में दिव्यता का अवतरण हो सके। यदि समाज को सभ्य बनाना है, तो संस्कार और संस्कृति ही इसके आधारभूत माध्यम हैं। कहा कि वर्तमान में समाज की कुरीतियों का उन्मूलन शस्त्र से नहीं अपितु प्रज्ञा (सद्ज्ञान) के माध्यम से ही संभव हैउद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे देसंविवि के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि वर्तमान समय विचार-विमर्श का नहीं बल्कि सत्संकल्पों को जीवन में उतारने का है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन का युग है। समाज को सजग होकर सकारात्मक दिशा में आगे बढने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आत्म विस्मृति, आत्महीनता और सामाजिक विखंडन हमारी प्रमुख समस्याएं हैं। समाज को एकता, आत्मविश्वास और सेवा की भावना को अपनाना होगा। इस अवसर पर डॉ. चिन्मय पण्ड्या, पद्मश्री सुरेश सोनी सहित अन्य अतिथियों ने हिन्दू स्टडीज सहित अनेक पत्रिकाओं के नवीन अंक का विमोचन किया। इस दौरान शांतिकुंज व्यवस्थापक योगेन्द्र गिरि, हसन विवि कर्नाटक के कुलपति प्रो. टीसी तारानाथ, विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष आलोक कुमार, विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त महासचिव स्वामी विज्ञानानंद, विश्व हिंदू परिषद के संगठन सचिव मिलिंद परांडे, गुजरात केंद्रीय विद्यालय के कुलपति अतुल भट्टाचार्य आदि उपस्थित रहे।

शाह को काले झंडे दिखाने जा रहे कांग्रेसी रोके

हरिद्वार(संवाददाता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हरिद्वार दौरे के विरोध में शनिवार को जिला महानगर कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। इसके बाद शाह को काले झंडे दिखाने जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने तुलसी चौक पर रोककर हिरासत में ले लिया। पार्टी कार्यकर्ता हाथों में 'अमित शाह गो बैक' के पोस्टर थामे थे। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग और स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मुरली मनोहर ने कहा कि शाह को देवभूमि की जनता को बताना चाहिए कि भारत में अमेरिकी दखल पर केंद्र सरकार चुप क्यों है? अंकिता भंडारी हत्याकांड से कथित तौर पर जुड़े 'वीआईपी' की गिरफ्तारी अब तक क्यों नहीं हुई? हरिद्वार में कुछ नेताओं के संरक्षण में चल रही नशे की तस्करी पर कार्रवाई कब होगी? शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का अपमान क्यों किया जा रहा है? इस पर भी गृहमंत्री को जवाब देना चाहिए। उन्होंने हरिद्वार के एक विधायक की संपत्ति की जांच कराने की मांग भी उठाई। वरिष्ठ नेता महेश प्रताप राणा और महानगर कांग्रेस महासचिव राजीव भार्गव ने आरोप लगाया कि शाह की रैली में सरकारी तंत्र का दुरुपयोग किया गया है। इस दौरान एनएसयूआई महानगर अध्यक्ष याज्ञिक वर्मा, वरिष्ठ नेता सीपी सिंह, यूथ कांग्रेस के जिला महासचिव शुभम जोशी, पूर्व अध्यक्ष नितिन तेश्वर, पार्षद हिमांशु गुप्ता, आशु श्रीवास्तव, अरुण चौहान, सतेंद्र वर्मा, आशीष पंवार, ऋषभ वशिष्ठ, सत्यम शर्मा और सोनू शर्मा मौजूद रहे।पुलिस से बचकर महानगर अध्यक्ष ने लगाई दौड़तुलसी चौक पर पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की थी। इसी दौरान महानगर अध्यक्ष अमन गर्ग पुलिस से बचकर शंकराचार्य चौक की ओर दौड़ पड़े। उनके पीछे पार्षद सोहित सेठी और युवा कांग्रेस नेता उत्कर्ष वालिया भी दौड़े, लेकिन पुलिसकर्मियों ने कुछ ही दूरी पर तीनों को पकड़ लिया। बाद में सबको छोड़ा गया।

होली के रंग लगाने के विवाद में युवकों पर ईंट से हमला

देहरादून(संवाददाता)। कैंट थाना क्षेत्र में होली के रंग लगाने को लेकर विवाद में कुछ युवकों ने दो लोगों के साथ मारपीट कर दी। घटना में एक युवक की नाक की हड्डी टूट गई, जबकि दूसरे को भी गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।खुड़बुड़ा मोहल्ला, कांवली रोड निवासी गौरी सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि चार मार्च को उनका भाई विशाल अपने घर छबीलबाग, कांवली रोड जा रहा था। उसके साथ मुख्तयार नाम का युवक भी था। जब दोनों टीचर्स कॉलोनी के टी-प्वाइंट के पास पहुंचे तो वहां मौजूद कुछ युवकों ने उनकी मोटरसाइकिल रोककर जबरन रंग लगाने की कोशिश की। विरोध करने पर रजत, अभिषेक, गगन, सन्नी उर्फ नाटा, जॉनी, छोटू, राहुल, रोहित और बॉबी समेत अन्य युवकों ने दोनों के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।

सीट दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

हरिद्वार(संवाददाता)। हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को ट्रेन में सीट दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह के दो और सदस्यों को रेलवे पुलिस ने बिहार के सीतामढ़ी जिले से गिरफ्तार किया है। दोनों को ट्रांजिट रिमांड पर लाकर हरिद्वार कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इस गिरोह के अब तक चार सदस्य गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पकड़े गए आरोपियों से ठगी के शिकार युवक का मोबाइल फोन और सिम कार्ड भी बरामद किया गया है। शनिवार को एसपी जीआरपी अरुणा भारती ने बताया कि बीते कुछ समय से रेलवे स्टेशन पर बाहरी राज्यों से आने वाले मजदूरों और यात्रियों के साथ ठगी की घटनाएं सामने आ रही थीं। अयोध्या के मंझनपुर निवासी मनोज कुमार तिवारी ने गत 24 जनवरी को जीआरपी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि 31 दिसंबर 2025 को वह हरिद्वार से घर लौट रहे थे। ट्रेन में आरक्षण नहीं होने पर एक युवक ने खुद को टीटी का रिश्तेदार बताते हुए सीट कंफर्म कराने का भरोसा दिलाया। उनसे मोबाइल फोन, आधार कार्ड और पिन ले लिया। इसके बाद उनके खाते से यूपीआई के माध्यम से 60,500 रुपये निकाल लिए गए।जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक बिपिन चंद्र पाठक ने बताया कि मुकदमा दर्ज करने के बाद बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की जांच की गई। जांच में एक मोबाइल नंबर झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले के प्रह्लाद सिंह के नाम पर मिला। पुलिस टीम ने उससे पूछताछ की तो पता चला कि उसका मोबाइल और दस्तावेज पहले ही चोरी हो चुके थे। उनका इस्तेमाल ठग गिरोह कर रहा था। इसके बाद जीआरपी और एसओजी टीम को तकनीकी साक्ष्यों और कॉल डिटेल रिकॉर्ड के आधार पर आरोपी राजेश कुमार और विपिन कुमार की लोकेशन बिहार के सीतामढ़ी जिले में बेला थाना क्षेत्र के सिरसिया बाजार में मिली। मिली। पुलिस टीम ने वहां दबिश देकर आरोपी राजेश कुमार और विपिन कुमार गिरफ्तार कर लिया। उनसे पूछताछ में पता चला कि गिरोह में रामकिशोर यादव नाम का व्यक्ति भी शामिल था। उसे कुछ दिन पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।थाना प्रभारी निरीक्षक बिपिन चंद्र पाठक के अनुसार गिरोह के सदस्य अपनी पहचान छिपाने के लिए अलग-अलग मोबाइल और सिम कार्ड का इस्तेमाल करते थे। वारदात के दौरान चोरी के मोबाइल और सिम से ऑनलाइन लेनदेन किया जाता था। कुछ समय बाद उन्हें नष्ट कर दिया जाता था। गिरोह खास तौर पर बिहार, झारखंड और पूर्वांचल के मजदूरों को निशाना बनाता था। अपनी स्थानीय बोली में बातचीत कर वे पीड़ितों का विश्वास जीत लेते थे। पांच से सात दिन के भीतर अपना ठिकाना बदल देते थे। इस कारण पीड़ित और पुलिस को उन तक पहुंचना मुश्किल हो जाता था।

ड्रग निरीक्षक के खिलाफ युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

हरिद्वार(संवाददाता)। युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष कैश खुराना के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शिवालिक नगर स्थित ड्रग निरीक्षक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार से पूछा कि कोई अफसर पिछले दस वर्षों से एक ही स्थान पर कैसे तैनात रह सकता है? शनिवार को प्रदर्शन के दौरान खुराना ने आरोप लगाया कि सरकार भ्रष्ट अफसरों को हटाने की बजाय उन पर मेहरबान दिखती है। उनका आरोप है कि वर्षों तक एक ही जगह तैनात अफसर अपने पद का दुरुपयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस ऐसे अफसरों और सरकार के कथित गठजोड़ को जनता के बीच जाकर उजागर करेगी। राजबीर सिंह चौहान ने कहा कि इस सरकार में दिन-प्रतिदिन भ्रष्टाचार बढ़ रहा है और अफसर मनमानी कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अफसरों के खिलाफ आवाज उठाने पर झूठे मुकदमे दर्ज करा दिए जाते हैं। इस दौरान अमित गुप्ता, विवेक बाबरे, पवन चौहान और आशीष पंवार सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारतीय न्याय संहिता जैसे नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में उत्तराखंड देश में पहले स्थान पर

देहरादून(संवाददाता)। भारत की न्यायिक और कानून प्रवर्तन प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित करते हुए, उत्तराखंड ने इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (प्श्रै) 2.0 के राष्ट्रीय कार्यान्वयन में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जनवरी 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, यह गौरवपूर्ण उपलब्धि केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के दूरदर्शी मार्गदर्शन और तकनीक-आधारित न्याय प्रणाली के उनके संकल्प का प्रतिफल है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (छब्ठ) के नवीनतम ब्ब्ज्ै/प्श्रै प्रोग्रेस डैशबोर्ड के अनुसार, उत्तराखंड ने 93.46 के उत्कृष्ट स्कोर के साथ राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पांच राज्यों का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा है, जिसमें उत्तराखंड 93.46 के स्कोर के साथ पहले स्थान पर है, जिसके बाद हरियाणा 93.41 के स्कोर के साथ दूसरे, असम 93.16 के स्कोर के साथ तीसरे, सिक्किम 91.82 के स्कोर के साथ चौथे और मध्य प्रदेश 90.55 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर काबिज है। मुख्यमंत्री धामी का श्मिशन-मोडश क्रियान्वयनः उत्तराखंड की यह सफलता मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व और निरंतर निगरानी का परिणाम है। नए कानूनोंख्भारतीय न्याय संहिता (ठछै), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (ठछै) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (ठै।)ख्को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री ने स्वयं कमान संभाली। मुख्यमंत्री धामी ने शासन के शीर्ष अधिकारियों से लेकर जनपद स्तर के फील्ड अधिकारियों के साथ निरंतर समीक्षा बैठकें कीं। इस श्टॉप-टू-बॉटमश मॉनिटरिंग के कारण ही तकनीकी बाधाओं को समय रहते दूर किया जा सका और पुलिस विभाग नए कानूनी ढांचे के अनुरूप स्वयं को ढालने में सफल रहा। ष्वन डेटा, वन एंट्रीष् (व्दम कंज, व्दम म्दजतल) की कार्यकुशलताः उत्तराखंड की इस उपलब्धि का आधार प्श्रै 2.0 की ष्वन डेटा, वन एंट्रीष् प्रणाली है। इसके तहत पुलिस ई-कोर्ट, ई-जेल, ई-अभियोजन और ई-फॉरेंसिक के बीच डेटा का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित किया गया है।

टिहरी लेक फेस्टिवलः पर्यटन के मेले में हरित छाया

राष्ट्रीय खेलों की तरह ही इस आयोजन से भी पर्यावरण का ठोस संदेश
-कार्यक्रम के नाम में पहली बार जोड़ा गया है हिमालयन ओ टू
-हर बडेध् आयोजन के साथ पर्यावरण थीम जोड़ रही सरकार

देहरादून(संवाददाता)। पर्यटन के मेले में पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रभावी ढंग से गूंज रहा है। राष्ट्रीय खेलों की ही तरह इस आयोजन की थीम के साथ भी पर्यावरण को जोड़ा गया है। ऐसा पहली बार हुआ है, जबकि टिहरी लेक फेस्टिवल के साथ पर्यावरण का संदेश भी आगे बढ़ रहा है। इस फेस्टिवल का इस बार जो पूरा नाम उभरकर सामने आया है, वो हिमालयन ओ टू टिहरी लेक फेस्टिवल है। इस फेस्टिवल के नाम के साथ हिमालयन ओटू जोड़ दिए जाने के बाद पर्यावरण की चर्चा भी हो रही है। टिहरी डीएम नितिका खंडेलवाल के अनुसार-इस आयोजन की रूपरेखा तैयार करते वक्त यह विचार सामने आया कि पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी फैले। इसी क्रम में इसके नाम के साथ हिमालय ओ टू को भी जोड़ दिया गया। दरअसल, राज्य सरकार अपने हर बडेध् आयोजन के साथ पर्यावरण के संदेश को अनिवार्य रूप से जोड़ कर आगे बढ़ रही है। वर्ष 2025 में हुए राष्ट्रीय खेलों की थीम पर्यावरण पर आधारित रही थी। देश भर में राज्य सरकार की इस पहल की काफी चर्चा हुई थी, जिसमें हरित वन स्थापित करने से लेकर खिलाड़ियों को दिए जाने वाले मेडल और अन्य गतिविधियों में पर्यावरण संरक्षण का खास ख्याल रखा गया था। -पर्यावरण को लेकर देश-दुनिया में जो चिंता है, उसमें जरूरी है कि हम जागरुकता पर लगातार काम करे। उत्तराखंड से सभी की बहुत ज्यादा अपेक्षाएं हैं। राज्य सरकार भी इस संबंध में अपनी जिम्मेदारी को महसूस करती है। इसलिए बड़े आयोजनों के साथ पर्यावरण की थीम को जोड़ा जा रहा है। -पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

हिन्दी दैनिक जोखिम

खेड़धार में 15 दिन से पानी ठप, खाली बर्तन लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचीं महिलाएं

- डीएम को ज्ञापन सौंप नियमित जलापूर्ति की मांग की

रुद्रप्रयाग(संवाददाता)। जिला मुख्यालय के समीप खेड़धार क्षेत्र में पिछले करीब 15 दिनों से पेयजल आपूर्ति ठप होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। इसके विरोध में स्थानीय महिलाएं खाली बर्तन लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचीं और जिलाधिकारी विशाल मिश्रा को ज्ञापन देकर नियमित जलापूर्ति की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि पानी न आने के कारण उन्हें करीब एक किलोमीटर दूर से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है। कई बार जल संस्थान से शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। कभी-कभार भेजे जाने वाले टैंकर से भी लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कलेक्ट्रेट, विकास भवन और अन्य सरकारी भवन बनने के समय क्षेत्र में नियमित पेयजल आपूर्ति का आश्वासन दिया गया था, लेकिन आज भी लोग पानी के लिए परेशान हैं। कहा कि खेड़धार क्षेत्र जिला कार्यालय के सबसे नजदीक और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में शामिल है, जहां जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी समेत अन्य उच्च अधिकारी और कर्मचारी निवास करते हैं। इसके बावजूद स्थानीय लोगों के घरों में पानी नहीं पहुंच रहा, जबकि सरकारी कार्यालयों और अधिकारियों के आवासों में प्रतिदिन पानी की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र समस्या का समाधान कराने की मांग की। इस दौरान संदीप, अंशी देवी, प्रियंका देवी, मोनिका देवी, ममता देवी, कृष्णा देवी, विनीता देवी सहित अन्य महिलाएं मौजूद रहीं।

आभा आईडी नियमित न होने पर जिलाधिकारी ने जताई नाराजगी

रुद्रप्रयाग(संवाददाता)। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने शनिवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अस्पताल परिसर में घोंसले और गंदगी देखकर उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को स्वच्छता बनाए रखने, नियमित सफाई कराने और साइन बोर्ड व सूचना पट्टों को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आभा आईडी सेवा नियमित रूप से न मिलने पर उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाई और जिम्मेदार व्यक्तियों की लापरवाही की जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अस्पताल में भर्ती मरीजों और चिकित्सकों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानी और स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण स्वयं भी कराया। जिलाधिकारी ने आगामी चारधाम यात्रा को देखते हुए अस्पताल में अतिरिक्त डॉक्टर और स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित करने और शासन से पत्राचार किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने मरीजों के अधिक रेफर होने पर चिकित्सीय अधिकारियों से कारणों की समीक्षा रिपोर्ट तैयार करने और बैठक आयोजित करने के निर्देश भी दिए।इसके बाद उन्होंने कोटेश्वर स्थित माधवाश्रम अस्पताल का निरीक्षण कर अस्पताल प्रबंधन को स्वच्छता, समयबद्ध चिकित्सा सेवाएं और बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने तथा निष्प्रयोज्य सामग्री का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामप्रकाश और प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शैलेन्द्र कुमार द्विवेदी मौजूद रहे।

मयाली-गुप्तकाशी मार्ग में सुविधाओं का अभाव

रुद्रप्रयाग(संवाददाता)। वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा के दौरान यात्रियों के लिए जीवनरेखा बने मयालीख्र गुप्तकाशी मोटर मार्ग पर आज भी पेयजल और सार्वजनिक शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। इससे नाराज स्थानीय लोगों ने संघर्ष समिति बनाकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन इस मार्ग की सुध केवल तब लेता है जब मुख्य राजमार्ग बांसवाड़ा जैसे संवेदनशील स्थानों पर भूस्खलन के कारण बंद हो जाता है। ऐसे समय में हजारों वाहन इसी मार्ग से डायवर्ट किए जाते हैं, लेकिन सुविधाओं के अभाव में यात्रियों और स्थानीय लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। क्षेत्र के कई युवा होटल, ढाबा और पर्यटन व्यवसाय से रोजगार की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन आधारभूत सुविधाओं की कमी के कारण पर्यटन प्रभावित हो रहा है और पलायन बढ़ रहा है।

लोक संस्कृति और परंपराओं का संदेश दे रही हैं विस भवन की दीवारें

चमोली(संवाददाता)। प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी के भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा भवन के अंदर की दीवारों को सजाया जा रहा है। विधानसभा प्रबंधन की ओर से दीवारों पर लोकसंस्कृति, लोककला, पारंपरिक वाद्य यंत्र, मेले, आभूषण आदि से जुड़ी पेंटिंग और कलाकृति लगाई जा रही हैं। खासकर दीवारों पर श्रीनंदा देवी राजजात, एपण, छोलिया और विश्व प्रसिद्ध रम्माण के मुखौटे इन दीवारों को और आकर्षक बना रहे हैं।

फिर एसडीएम विहीन हुई पोखरी तहसील

चमोली(संवाददाता)। कुछ माह पहले पोखरी में आए एसडीएम का तबादला कर दिया गया है। पोखरी तहसील फिर एसडीएम विहीन हो गई है। कई सालों से तहसील में अधिकांश समय प्रभारी एसडीएम के भरोसे काम चल रहा है। इस संबंध में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि प्रशासन पर पोखरी की उपेक्षा का आरोप लगा रहे हैं। पोखरी क्षेत्र बीआईपी का गढ़ है। भाजपा के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, वर्तमान विधायक लखपत बुटोला और पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र भंडारी का यह गृह क्षेत्र है लेकिन यहां लंबे समय से स्थायी रूप से एसडीएम की तैनाती नहीं हो पाई है। काफी समय तहसील खाली रहने के बाद कुछ माह पहले अबरार अहमद को पोखरी का एसडीएम बनाया गया लेकिन जिलाधिकारी ने उनका तबदाला गैरसैंण कर दिया है। अब फिर पोखरी तहसील का प्रभार कर्णप्रयाग एसडीएम के पास आ गया है। तहसीलदार का पद भी रिक्त चल रहा है, नायब तहसीलदार के पास तहसीलदार का चार्ज है।

महिलाओं ने पुराने कूड़ा डंपिंग जोन में किया विरोध प्रदर्शन

चमोली(संवाददाता)। बदरीनाथ हाईवे के किनारे बने नगर पालिका के पुराने कूड़ा डंपिंग जोन में अभी भी कूड़ा फेंके जाने पर स्थानीय महिलाओं ने विरोध जताया है। उन्होंने नगर पालिका के विरोध में प्रदर्शन कर यहां एकत्रित कूड़े को हटाने की मांग की है। कहा कि कूड़ा जमा होने से नगर में दुर्गंध फैल रही है। नगर पालिका की ओर से नगर के प्रवेश द्वार पर कूड़े डंपिंग जोन बनाया गया था। अब पालिका की ओर से नया कूड़ा निस्तारण केंद्र बनाया गया है लेकिन पुराने डंपिंग जोन में अभी भी कूड़ा पड़ा हुआ है। शनिवार को सिंहधार की महिलाओं ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शन करते हुए यहां के कूड़े की सफाई की मांग उठाई। स्थानीय महिला नंदी देवी और कमला देवी ने कहा कि लंबे समय से यहां कूड़ा डाला जाता रहा है इससे पूरे क्षेत्र में गंदगी फैली रहती है। जंगल तक कूड़ा फैल गया है व दुर्गंध के चलते महिलाएं चारा पत्ती लेने भी नहीं जा पाती हैं। यहां से कूड़े को तुरंत हटाया जाए। मौके पर पहुंचे नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी सुनील पुरोहित ने कहा कि पालिका का नया डंपिंग जोन बनकर तैयार हो गया है अब कूड़े का निस्तारण वहीं किया जा रहा है। पुराने स्थान से कूड़ा हटाने का कार्य चल रहा है जल्दी इसे पूरी तरह से हटा लिया जाएगा। इस दौरान चंपा देवी, पूजा बिष्ट, पूनम बिष्ट, कमला देवी, गीता देवी, किरण शाह सहित अन्य महिलाएं शामिल रही।

पशुपालन से ग्रामीणों को मिला स्वरोजगार

पौड़ी(संवाददाता)। जनपद में पशुपालन विभाग की योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिकी मजबूत होने लगी है। काश्तकार बकरी, मुर्गी व गो पालन समेत अन्य योजनाओं से जुड़कर गांव की आर्थिकी को मजबूत कर रहे हैं। विभाग के मुताबिक गो पालन में 143, बकरी पालन में 262, महिला बकरी पालन योजना में 30, मुर्गी पालन में 120 काश्तकारों को लाभान्वित किया गया है। नंदी पालन में छह जबकि गैर-सरकारी गो सदन में 18 और सरकारी गो सदन में तीन इकाइयां संचालित हो रही है। योजनाओं के माध्यम से ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर जहां रोजगार मिला है वहीं उनकी आय भी बढ़ी है। विभाग ने इस साल जिला योजना से 262 लाभार्थियों को बकरी पालन योजना का लाभ दिया जिसमें लाभार्थी को 16 बकरियां उपलब्ध कराई गई। साथ ही महिला बकरी पालन योजना के तहत 30 विधवा महिलाओं को चार-चार बकरियां विभाग ने मुहैया कराई। एसएसबी को आपूर्ति की जा रही बकरी व मुर्गियां : काश्तकार घर गांव में ही मुर्गी व बकरी पालन कर आय को मजबूत कर रहे हैं। मुर्गी पालन योजना में 120 लाभार्थियों को तीन-तीन हजार मुर्गियां वितरित की गई हैं। काश्तकारों को बाजार की व्यवस्था के लिए सीमा सुरक्षा बल श्रीनगर को मुर्गियों की आपूर्ति की जाती है। ---- नए साल से मुर्गियों व बकरी की आपूर्ति एसएसबी को शुरू की गई है। चिकित्सकीय प्रमाणित होने के बाद अभी तक 654 किग्रा बकरी व 664 किग्रा मुर्गियों की आपूर्ति की जा चुकी है जिसमें जिंदा 120 रुपये प्रति किग्रा मुर्गी व 310 रुपये प्रति किग्रा उपलब्ध कराया जा रहा है। - डॉ. विशाल शर्मा, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी पौड़ी ।

डांगी गांव के जंगल में लगी आग

पौड़ी(संवाददाता)। विकासखंड कल्जीखाल के डांगी गांव के जंगल शनिवार दोपहर को आग से धधकने लगे। ग्रामीणों ने चरवाहों पर आग लगाने का आरोप लगाया है। ग्रामीण जगमोहन डांगी ने बताया कि गांव के जंगलों में इन दिनों भेड़- बकरी चराने वाले पहुंच रहे हैं। बताया के दोहपर को लगी आग ने विकराल रूप ले लिया जिससे गांव के सिविल वन क्षेत्र में कई पेड़ पौधे आग की चपेट में आग गए। उन्होंने वन विभाग से आग लगाने वालों पर कार्रवाई की मांग उठाई है। वहीं सिविल एवं सोयम वन प्रभाग पौड़ी के डीएफओ पवन नेगी ने बताया कि वनाग्नि की फिलहाल कोई घटना दर्ज नहीं हुई है। हालांकि फायर सीजन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सिविल क्षेत्र में वनाग्नि नियंत्रण के लिए 34 क्रू-स्टेशन, सौ फायर वाचर और कंडोलिया में मास्टर कंट्रोल रूम बनाया गया है।

सहानुभूति नहीं, समान अनुभूति की जरूरत

पौड़ी(संवाददाता)। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापकों की जनपद स्तरीय अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन डैफोडिल पब्लिक स्कूल में किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा अंशुल बिष्ट व बीईओ दुगड्डा वर्षा भारद्वाज ने संयुक्त रूप से कार्यशाला का उद्घाटन किया। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को सहानुभूति की नहीं बल्कि समान अनुभूति की आवश्यकता है। कार्यशाला में डायट प्रवक्ता भारत भूषण परमार, शिव प्रसाद भारद्वाज, बाल विकास परियोजना अधिकारी दुगड्डा शिवाली, सहायक समाज कल्याण अधिकारी संजीव पाल, स्पेशल एजुकेटर संजय ने भी विचार रखे। जिला समन्वयक रीना रावत की देखरेख में आयोजित कार्यशाला में उमा बुड़कोटी, किशोर बिडलिया, सुधीर अग्रवाल, दानवीर सिंह, राजेंद्र सिंह पाल, गरिमा रावत आदि का सहयोग रहा। संयोजक/प्रधानाचार्य नूतन बिष्ट ने प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

सीएचसी यमकेश्वर में शुरू हुआ अल्ट्रासाउंड, 17 ने कराई जांच

पौड़ी(संवाददाता)। जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र यमकेश्वर में अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू हो गई है। अस्पताल में पहले दिन ही 17 मरीजों के अल्ट्रासाउंड किए गए। अब महीने के पहले व तीसरे शुक्रवार को अस्पताल में नियमित रूप से अल्ट्रासाउंड होंगे। पिछले लंबे समय से अल्ट्रासाउंड की बाट जोह रहे लोगों का बीते शुक्रवार को इंतजार समाप्त हो गया। बीते शुक्रवार को सीएमओ डॉ. शिव मोहन शुक्ला ने सीएचसी पहुंचकर अल्ट्रासाउंड सेवा का उद्घाटन कर पहले दिन ही 17 मरीजों के अल्ट्रासाउंड किए। जिनमें 7 गर्भवती व 10 अन्य शामिल रहे। साथ ही गर्भवती महिलाओं को स्वस्थ जच्चा -बच्चा के परामर्श दिए। डॉ. शुक्ला ने बताया कि यमकेश्वर में अल्ट्रासाउंड शुरू होने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। बताया कि महीने के पहले व तीसरे शुक्रवार को वे सीएचसी में नियमित रूप से अल्ट्रासाउंड करेंगे। इस मौके पर चिकित्साधिकारी डॉ. प्रदीप बिष्ट, डॉ. शुभम मुयाल, महिला चिकित्साधिकारी डॉ. आंचल सिलोड़ी, टेक्नीशियन मुकेश चमोली आदि मौजूद रहे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

डॉ दिशा तिवारी मैक्स हॉस्पिटल दिल्ली को सम्मानित

हल्द्वानी संवाददाता अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर आज सारथी फाउंडेशन समिति ने पहली बार हल्द्वानी मै निशुल्क कैंप करने आयी डॉ दिशा तिवारी मैक्स हॉस्पिटल दिल्ली को सम्मानित कर मनाया।

डॉ दिशा तिवारी जिन्होंने राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी से मेडिकल की प्रारंभिक पढ़ाई की फिर किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ से पोस्ट ग्रेजुएट रही फिर उन्होंने मेडिसिन मै डॉक्टरेट हासिल किया। डॉ दिशा को विभिन्न संस्थानों से भी सम्मानित किया गया है। मेडिकल के दौरान कुमाऊं विश्वविद्यालय और किंग जॉर्ज मेडिकल से गोल्ड मैडल,ट्रेवल ग्रांट रिसीपेंट ESMO& ेपं सिंगापुर ,इंडियन कैंसर कांग्रेस मुंबई एवं म्ड्ड० चेन्नई से भी सम्मानित किया गया है। उत्तराखंड की बेटी डॉ दिशा तिवारी मेडिकल क्षेत्र मै अत्यधिक वियस्त होने के बाबजूद समाज को कैंसर से रोगथाम और जागरूक करने मै भी लगी रहती है। संस्था के अध्यक्ष नवीन पंत एवं सचिव ज्ञानेंद्र जोशी ने इस अवसर पर आज उनसे मिलकर उन्हे इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए उन्हें सम्मानित किया और हल्द्वानी शहर एवं आसपास के क्षेत्रों मै दिये जा रहे उनके योगदान को सराहा।

रामनगर में कोसी रोड पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ नगर पालिका ने चलाया अभियान,11 लोगों के चलान किए

रामनगर संवाददाता नगर पालिका परिषद रामनगर प्रशासन ने रामनगर के कोसी रोड पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाते हुए कई अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।नगर पालिका द्वारा चलाए गए अभियान से अतिक्रमणकारियों में जहां एक और हड़कंप मच गया तो वहीं कई अतिक्रमणकारियों अपना सामान लेकर भागते हुए दिखाई दिए अभियान के संबंध में जानकारी देते हुए नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी आलोक उनियाल ने बताया कि एसडीएम रामनगर गोपाल सिंह चौहान के दिशा निर्देश पर शनिवार को पालिका टीम द्वारा कोसी रोड और चुड़ी गली पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की गई है।उन्होंने बताया की कार्रवाई के दौरान कई अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई।उन्होंने बताया कि नगर पालिका द्वारा 11 चलान किए गए और उनसे 6500 रुपए जुर्माना वसूला गया है। उन्होंने बताया कि अतिक्रमण के खिलाफ पालिका का यह अभियान लगातार जारी रहेगा।साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों के द्वारा सड़क पर अवैध रूप से अतिक्रमण किया गया है। वह स्वयं अपना अतिक्रमण हटा ले अन्यथा नगर पालिका प्रशासन द्वारा इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी ।इस दौरान एसडीएम गोपाल सिंह चौहान,नगर पालिका टीम में नगर पालिका ईओ आलोक उनियाल,नगर पालिका प्रधान सहायक आनंद सांगा, नगर पालिका स्वास्थ्य निरीक्षक लल्ला मियां आदि मौजूद रहें।

रामनगर में गैरसैंण विधानसभा सत्र के घेराव को लेकर कांग्रेस की हुई बैठक आयोजित

रामनगर संवाददाता आगामी 10 मार्च को गैरसैंण में आयोजित होने वाले विधानसभा सत्र का विरोध करने को लेकर कांग्रेस पार्टी ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है।जिसको लेकर शनिवार को रामनगर में कांग्रेस कार्यालय में बैठक आयोजित की।बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए इस कार्यक्रम में

बढ़-चढ़कर भागीदारी करने की अपील की है।पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत ने कहा कि आज डबल इंजन की सरकार में जनता बुरी तरह त्रस्त हो चुकी है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में महंगाई बेरोजगारी भ्रष्टाचार एवं बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ 10 मार्च को कांग्रेस गैरसैंण में होने वाले विधानसभा सत्र का घेराव कर अपना विरोध प्रकट करेगी।उन्होंने कहा कि आज इसी कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर यह बैठक आयोजित की गई है।उन्होंने कहा कि बैठक में रामनगर विधानसभा से भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता इसमें अपनी भागीदारी करेंगे और विरोध के माध्यम से सरकार को गहरी नींद से जगाने का काम करेंगे।

ग्रीन फील्ड एकेडमी में रक्तदान एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया

रामनगर संवाददाता ग्रीन फील्ड एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल पीरूमदारा रामनगर में जयदेवी जगत प्रकाश फाउंडेशन के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। ग्रीन फील्ड अकैडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर शिशुपाल सिंह रावत ने कहा कि शिविर का उद्देश्य समाज में मानव सेवा की भावना को बढ़ावा देना, स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना और लोगों को नि:शुल्क चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना था। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं, जिनमें ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. कल्पना कुयाल, बृजेश हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर अभिषेक अग्रवाल और डेंटल सर्जन डॉ. रोहित बंसल ने शिविर में मरीजों की जांच की।रक्तदान करने वालों में विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर शिशुपाल सिंह रावत,प्रधानाचार्य कंचन बिष्ट सहित करीब दो दर्जन लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस दौरान विद्यालय के अभिभावक भी बड़ी संख्या में भागेदारी की और कार्यक्रम की सराहना की।कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यालय प्रबंधन ने सभी चिकित्सकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंदों की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आपदा से निपटने की तैयारी तेज: बागेश्वर में 17 मार्च को होगी व्यापक मॉक ड्रिल

बागेश्वर(संवाददाता)। जनपद में संभावित प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने की तैयारियों को परखने के उद्देश्य से 17 मार्च 2026 को जिला स्तर पर व्यापक आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के समन्वय से होने वाला यह अभ्यास विभिन्न विभागों की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता तथा आपसी समन्वय को परखने का महत्वपूर्ण अवसर बनेगा। मॉक ड्रिल की तैयारियों को लेकर अपर जिलाधिकारी एन. एस. नबियाल की अध्यक्षता में जिला सभागार कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सभी विभागों को उनके दायित्व स्पष्ट करते हुए निर्देश दिए गए कि अभ्यास के दौरान परस्पर समन्वय और तत्परता के साथ कार्य किया जाए, ताकि वास्तविक आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी और व्यवस्थित ढंग से संचालित किया जा सके। बैठक में अवगत कराया गया कि मॉक ड्रिल के दौरान भूकंप, भूस्खलन, अतिवृष्टि अथवा फ्लैश फ्लड, वनाग्नि तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसी संभावित आपदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्थानों पर काल्पनिक परिदृश्यों के आधार पर राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया जाएगा। इस दौरान संबंधित विभागों की टीमें घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को सुरक्षित निकालने, प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने, यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने का अभ्यास करेंगी। अपर जिलाधिकारी नबियाल ने कहा कि इस प्रकार की मॉक ड्रिल का मूल उद्देश्य आपदा की स्थिति में त्वरित सूचना आदान-प्रदान की व्यवस्था को सुदृढ़ करना, उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित करना तथा विभिन्न विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करना है। उन्होंने यह भी कहा कि इस अभ्यास से आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यकुशलता को और अधिक सशक्त बनाने में सहायता मिलेगी। बैठक में एआरटीओ अमित कुमार, जिला विकास अधिकारी संगीता आर्या, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शिखा सुयाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि जनपद की सभी तहसीलों के उपजिलाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े। इस अवसर पर सभी विभागों को निर्देशित किया गया कि मॉक ड्रिल के सफल संचालन के लिए आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करते हुए निधरित योजना के अनुसार समन्वित ढंग से कार्य करना सुनिश्चित करें।

रामनगर नगर पालिका में वित्तीय अनियमितताएं एवं भ्रष्टाचार के लगे आरोपों की जांच करने पहुंचे एडीएम

रामनगर संवाददाता नगर पालिका परिषद रामनगर में वित्तीय अनियमिताओं एवं भ्रष्टाचार के आरोपो की गई शिकायत को लेकर शनिवार को अपर जिलाधिकारी नैनीताल शैलेंद्र सिंह नेगी रामनगर नगर पालिका पहुंचे। जहां उन्होंने शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों की बारीकी के साथ जांच की।रामनगर के रहने वाले अरविंद कुमार द्वारा वित्त सचिव को लिखित

शिकायत करते हुए रामनगर नगर पालिका पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे।शिकायतकर्ता ने बताया कि नगर पालिका द्वारा 61 निविदा निकली गई थी लेकिन उन्हें कैंसिल कर दिया गया था इसके बाद यह निविदा दोबारा निकल गई थी। जिसमें भ्रष्टाचार किया गया है इसके साथ ही उन्होंने कुछ वर्ष पूर्व जी 20 समिट रामनगर में हुई थी उसमें भी भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे।वित्त सचिव द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच के लिए जिलाधिकारी नैनीताल को निर्देशित किया गया था जिसमें जिलाधिकारी नैनीताल में मामले की जांच के लिए जांच अधिकारी अपर जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी को बनाते हुए मामले की जांच करने का आदेश दिए थे।जिसके क्रम में शनिवार को अपर जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी रामनगर नगर पालिका पहुंचे और उन्होंने मौके पर शिकायतकर्ता को बुलाकर लगाए गए आरोपों की संबंध में जांच की और नगर पालिका के अधिकारियों से भी पूछताछ की शिकायतकर्ता द्वारा कहा गया है कि नगर पालिका में भ्रष्टाचार का बोलवाला है ऐसे इसकी जांच होना आवश्यक है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

रसोई गैस के बढ़ते दामों के विरोध में कांग्रेस ने फूंका केंद्र सरकार का पुतला

अल्मोड़ा(संवाददाता)। रसोई गैस के बढ़ते दामों के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी अल्मोड़ा के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर पुतला दहन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए महंगाई के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ रोष व्यक्त किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने कहा कि

केंद्र सरकार की नीतियों के कारण आम आदमी की रसोई का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। घरेलू गैस सिलेंडर के दाम लगातार बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण पाने में पूरी तरह विफल रही है और इसका सीधा असर आम जनता के जीवन पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर जनता महंगाई से परेशान है, वहीं केंद्र सरकार बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने में लगी हुई है। कांग्रेस आम जनता के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी। यदि गैस के दामों में बढ़ोतरी वापस नहीं ली गई तो पार्टी को सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। प्रदर्शन में नगर अध्यक्ष तारा चंद्र जोशी, महिला जिलाध्यक्ष राधा बिष्ट, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष संजू सिंह, जिला उपाध्यक्ष विनोद वैष्णव, नारायण दत्त पांडेय, आनंद सिंह बगड़वाल, तारा चंद्र साह, दीप डांगी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रमेश भाकुनी, गोपाल सिंह चौहान, मनोज जोशी, गोविंद मेहरा, महिपाल राजपूत, शरद साह, दीपा साह, श्याम सिंह चौहान, पार्षद मुकेश कुमार, वैभव पांडेय, मनोज बिष्ट, दानिश खान, गोपाल भगत, कार्तिक साह, देव सिंह चौहान सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जागेश्वर धाम के पास 100 बेड का मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल प्रस्तावित

अल्मोड़ा(संवाददाता)। जागेश्वर धाम में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए केंद्र सरकार ने आरतोला और गुरूड़ाबाज के बीच 100 बेड के मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल की स्थापना को मंजूरी दी है। इस संबंध में 11 फरवरी को स्वास्थ्य महानिदेशक ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी अल्मोड़ा को पत्र भेजकर अस्पताल निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि तलाशने और प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने भूमि चिन्हित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रस्तावित अस्पताल में बाल रोग, स्त्री रोग, हड्डी रोग सहित विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती की जाएगी। अस्पताल बनने से घाट पनार से लेकर अल्मोड़ा तक के मरीजों को लाभ मिलेगा, साथ ही दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सकेगी। वर्तमान में जागेश्वर क्षेत्र में अस्पताल नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं को सामान्य उपचार के लिए भी आरतोला या पनुवानौला जाना पड़ता है। जागेश्वर से करीब 16 किलोमीटर दूर धौलादेवी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है, जबकि पनुवानौला में करीब सात किलोमीटर दूरी पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित है। इससे जागेश्वर धाम में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति लंबे समय से कमजोर बनी हुई है। पूर्व जिलाधिकारी आलोक पांडेय ने स्वास्थ्य विभाग को स्थायी अस्पताल बनने तक अस्थायी रूप से एक डॉक्टर और फार्मासिस्ट को आवश्यक दवाओं के साथ जागेश्वर में तैनात करने के निर्देश दिए थे। हालांकि विभाग ने केवल श्रावणी मेले के दौरान ही यहां डॉक्टर और फार्मासिस्ट की तैनाती की थी और मेला समाप्त होने के बाद उन्हें वापस बुला लिया गया। समय पर उपचार नहीं मिलने के कारण पिछले वर्ष जागेश्वर धाम में दो श्रद्धालुओं की मौत भी हो चुकी है। अब पर्यटक सीजन शुरू होने वाला है, जिसमें देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचेंगे। ऐसे में स्थानीय लोगों ने चारधाम की तर्ज पर जागेश्वर धाम में भी पर्यटक सीजन के दौरान डॉक्टर और दवाओं की नियमित व्यवस्था करने की मांग उठाई है।

पं. गोविन्द बल्लभ पंत की 65वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

अल्मोड़ा(संवाददाता)। भारत रत्न पं. गोविन्द बल्लभ पंत की 65वीं पुण्यतिथि के अवसर पर राजकीय संग्रहालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पंत की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। राजकीय संग्रहालय के प्रभारी निदेशक डॉ. चन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि इस अवसर पर वक्ताओं ने पं. पंत के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें महान स्वतंत्रता सेनानी, कुशल प्रशासक और दूरदर्शी राजनेता बताया। उन्होंने संयुक्त प्रांत के प्रधानमंत्री के रूप में 1937 से 1939 तक, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में 1946 से 1954 तक तथा भारत के केंद्रीय गृहमंत्री के रूप में 1954 से 07 मार्च 1961 तक देश की सेवा की। वक्ताओं ने कहा कि उनके सशक्त नेतृत्व, दूरदर्शिता और समर्पण ने लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की मूल भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में यह भी कहा गया कि स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा।

9 मार्च को चलो गैरसैंणश के नारे के साथ विधानसभा घेराव की तैयारी

अल्मोड़ा(संवाददाता)। उत्तराखण्ड क्रांति दल की अल्मोड़ा इकाई की बैठक आयोजित हुई, जिसमें 9 मार्च को प्रस्तावित विधानसभा घेराव कार्यक्रम को लेकर रणनीति बनाई गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाने, मूल निवास 1950 लागू करने, सशक्त भू कानून बनाने, जंगली जानवरों से हो रहे भूमि नुकसान, बेरोजगारी और स्वास्थ्य जैसे प्रदेश के प्रमुख मुद्दों को लेकर कार्यकर्ता बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होंगे। बैठक में बताया गया कि केंद्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती और आशीष नेगी के आह्वान पर आयोजित विधानसभा घेराव कार्यक्रम में भाग लेने के लिए अल्मोड़ा जिले के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। कार्यकर्ताओं ने श्9 मार्च को चलो गैरसैंणश के नारे के साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों से कार्यक्रम में शामिल होने का आह्वान करने का निर्णय लिया। बैठक में केंद्रीय मंत्री गिरीश नाथ गोस्वामी, युवा प्रकोष्ठ संगठन मंत्री नरेंद्र सिंह बिष्ट, जिला अध्यक्ष दिनेश जोशी, महानगर अध्यक्ष मोहित साह, महिला मोर्चा की दीपा जोशी, किरण मेहरा, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष रघुवीर सिंह भाकुनी, पवन सिंह, पुष्कर सिंह, पान सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गिरफ्तार ऑटो लिफ्टर के कब्जे से तीन और बाइक बरामद

रुद्रपुर(संवाददाता)। बाइक चोरी के मामले में पीड़ित युवक की सतर्कता से पकड़े गए दो आरोपियों से पूछताछ के बाद कोतवाली रुद्रपुर पुलिस ने तीन और चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। साथ ही पुलिस ने क्षेत्र में हुई वाहन चोरी की कई घटनाओं का खुलासा किया है। जानकारी के अनुसार, 2 मार्च को एक युवक की मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी। घटना के दो दिन बाद 5 मार्च को त्रिशूल चौक पर युवक ने अपनी चोरी हुई बाइक के साथ एक आरोपी को पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने पूछताछ के बाद उसके एक अन्य साथी को भी गिरफ्तार कर लिया।

कार से तस्करी कर ले जा रहे थे गांजा, 02 गिरफ्तार

अल्मोड़ा(संवाददाता)। भतरौजखान पुलिस ने सघन चेकिंग के दौरान कार से 10.25 किलो अवैध गांजा बरामद कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे की कीमत लगभग 2.56 लाख रुपये आंकी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देश पर जनपद में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी रानीखेत विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष भतरौजखान अवनीश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी।

इसी दौरान 6 मार्च को भिकियासैंण चौकी तिराहे पर एस-क्रॉस मारुति कार संख्या यूके07 डीजी 6485 को रोककर जांच की गई। जांच के दौरान कार में सवार बिल्ला सिंह उर्फ बिल्लू (33) पुत्र बचन सिंह और सतीश कुमार (28) पुत्र प्रेम सिंह, निवासी मिलक नौखरीद थाना स्वार जनपद रामपुर (उत्तर प्रदेश) के कब्जे से कुल 10.25 किलो अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर थाना भतरौजखान में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20/60 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। तस्करी में प्रयुक्त वाहन को भी सीज कर दिया गया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपित गांजा रामपुर ले जाकर ऊंचे दामों में बेचने की फिराक में थे। पुलिस अब गांजा तस्करी के स्रोतों की जानकारी जुटाने में लगी है। कार्रवाई करने वाली टीम में भिकियासैंण चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक संजय जोशी, हेड कांस्टेबल शमीम अहमद और कांस्टेबल भूपेंद्र जीना शामिल रहे।

दुग्ध संघों की समस्याओं के समाधान को लेकर पीएम व सीएम को लिखा पत्र

अल्मोड़ा(संवाददाता)। दुग्ध संघ अल्मोड़ा की प्रबंध समिति के सदस्य ब्रह्मानंद डालाकोटी ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री उत्तराखंड को पत्र भेजकर दुग्ध संघों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की है। प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में दुग्ध सहकारिता के लिए घातक साबित हो रहे प्रावधानों को नियमों और उपनियमों से हटाने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि 4 जुलाई 2024 को जारी गजट में कुछ ऐसे प्रावधान किए गए हैं, जिनसे पर्वतीय क्षेत्रों की अधिकांश दुग्ध समितियां अस्थिर हो जाएंगी और चुनाव प्रक्रिया से बाहर हो सकती हैं।

बेहड़ ने जीजीआईसी में नए भवनों का किया भूमि पूजन

रुद्रपुर(संवाददाता)। विधायक तिलकराज बेहड़ ने अटल उत्कृष्ट राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (जीजीआईसी) में 5.28 करोड़ की लागत से बनने वाले भवनों का विधि-विधान से भूमि पूजन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के सशक्त आधार से बेटियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। शनिवार को आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में विधायक बेहड़ ने बताया कि विद्यालय परिसर में तीन मंजिला भवन का निर्माण किया जाएगा। इस भवन में 12 कक्षा-कक्ष, एक स्टाफ रूम, एक बड़ा हॉल और टॉयलेट सहित अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके अलावा 44 लाख की लागत से पुराने भवन की मरम्मत भी कराई जाएगी। बताया कि राजकीय इंटर कॉलेज की स्थापना वर्ष 1976 में हुई थी। उन्होंने वर्ष 1999 में केमिस्ट्री लैब, वर्ष 2002 में फिजिक्स, होम साइंस और बायोलॉजी लैब और वर्ष 2010 में जिला योजना के तहत दो कक्षा-कक्षों का निर्माण कराया था। उन्होंने कहा कि बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। शिक्षा संस्थानों के विकास और सुविधाओं के विस्तार के लिए भविष्य में भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस मौके पर विद्यालय की प्रिंसिपल अंजू सक्सेना, शिखा चौधरी, हरीश, इम्तियाज मलिक, नजाकत खान, दलीप बिष्ट, ओमप्रकाश दुआ, सुनीता कश्यप, संतोष अधिकारी, संतोष ठाकुर आदि रहे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

प्रियंका चोपड़ा ने फिर बढ़ाया भारत का मान, ऑस्कर 2026 की प्रेजेंटर्स लिस्ट में शामिल हुआ अभिनेत्री का नाम

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा जोनस हॉलीवुड में काफी समय से काम कर रही हैं। वहीं, 98वें अकादमी अवॉर्ड्स में वह पुरस्कार प्रदान करने वालीं प्रस्तुतकर्ताओं की लिस्ट में शामिल हो गई हैं। इस बात की पुष्टि अभिनेत्री ने खुद सोशल मीडिया के जरिए की। प्रियंका चोपड़ा ने शुक्रवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया। इसमें उनके नाम के साथ प्रस्तुतकर्ता के भी नाम शामिल हैं। अभिनेत्री ने लिखा, 2026 अकादमी अवॉर्ड्स। प्रियंका के साथ इस लिस्ट में रॉबर्ट डाउनी जूनियर, ऐनी हैथवे, विल अर्नेट, ग्वेनेथ पाल्ट्रो और पॉल मेस्कल जैसे बड़े नाम शामिल हैं। ये सितारे समारोह में मंच पर आएंगे और विभिन्न श्रेणियों के प्रतिष्ठित पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित करेंगे।पोस्ट शेयर करने के बाद प्रियंका के इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। मशहूर स्टैंडअप कॉमेडियन जाकिर खान ने कमेंट सेक्शन पर लिखा, बधाई हो। आप सच में हीरो हैं।अकादमी अवॉर्ड्स फिल्म जगत में कलात्मक और तकनीकी के लिए दिए जाने वाला दुनिया का सबसे सम्मानित पुरस्कार है। इसे एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज द्वारा प्रदान किया जाता है। यह लॉस एंजिल्स में स्थित एक पेशेवर मानद संगठन है, जो सिनेमाई उपलब्धियों में उत्कृष्टता को मान्यता देता है। यह सम्मान फिल्म उद्योग में उत्कृष्ट निर्देशकों, कलाकारों और लेखकों को प्रतिवर्ष दिया जाता है।पहली बार 1929 में शुरू हुए ये अवॉर्ड्स मनोरंजन उद्योग के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित आयोजनों में शुमार हैं।प्रियंका जल्द ही एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी नजर आएंगे। फिल्म के जरिए प्रियंका 7 साल बाद घर वापसी कर रही हैं और वे महेश बाबू के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी। साथ ही, यह एसएस राजामौली का प्रोजेक्ट है, जो कभी भी अपनी कहानी कहने के अंदाज से दर्शकों को निराश नहीं करते हैं। ये सब देखते हुए फैंस के बीच उत्साह चरम पर है।

कृति सेनन से बेहतर होने की जंग में यामी गौतम की सफाई, कहा, ऐसे पीआर हथकंडे नहीं अपनाती

सोशल मीडिया में इन दिनों श्बेस्ट एक्ट्रेस्य अवॉर्ड को लेकर बहस तेज हो गई है। अभिनेत्री यामी गौतम और कृति सेनन के प्रशंसकों के बीच यह विवाद छिड़ गया है कि दोनों में से बेहतर अभिनेत्री कौन है। दिलचस्प बात यह है कि यह पूरा विवाद यामी गौतम द्वारा एक सोशल मीडिया पोस्ट को श्लाइक्य करने के बाद शुरू हुआ। हालांकि, अब यामी गौतम ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा है कि उनका किसी भी अभिनेत्री को नीचा दिखाने का कोई इरादा नहीं था। यामी गौतम ने अपने श्लाइक्य को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि एक सेलिब्रिटी होने के कारण उन्हें रोजाना कई पोस्ट में टैग किया जाता है और कई बार यह स्पष्ट नहीं होता कि पोस्ट किसके संदर्भ में है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मुझे पता चला है कि मैंने एक ऐसी रील को श्लाइक्य किया है, जिसे किसी अन्य कलाकार के प्रति अपमानजनक माना जा रहा है। हमें रोजाना कई पोस्ट में टैग किया जाता है और यह भी एक अवॉर्ड समारोह से जुड़ी किसी अन्य टैग की तरह ही दिखाई दिया। ऐसा बिल्कुल भी जानबूझकर नहीं किया गया था। संभव है कि यह गलती से क्लिक हो गया हो। यामी गौतम ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके पास कोई पीआर टीम नहीं है और उन्हें ऐसे श्घटिया पीआर हथकंडेश्य अपनाने नहीं आते।

दरअसल, जिस पोस्ट को यामी गौतम ने श्लाइक्य किया था, उसमें एक तरफ कृति सेनन की तस्वीर और दूसरी तरफ यामी गौतम की तस्वीर लगाई गई थी। पोस्ट में कृति सेनन की तुलना में यामी गौतम को श्बेस्ट एक्ट्रेस्य अवॉर्ड के लिए अधिक योग्य बताया गया था। गौरतलब है कि कृति सेनन को फिल्म श्तेरे इश्क मेंश्य के लिए श्बेस्ट एक्ट्रेस्य का अवॉर्ड मिला था। इसी पोस्ट को लाइक किए जाने के बाद सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई और दोनों अभिनेत्रियों के प्रशंसक आपस में भिड़ गए।

रश्मिका-विजय के रिसेप्शन में पहुंचीं नीना गुप्ता, फोटो शेयर कर दी शुभकामनाएं

सोशल मीडिया पर इस समय पावर कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के हैदराबाद में हुए रिसेप्शन की खूबसूरत तस्वीरें छाई हुई हैं, जिसमें साउथ से लेकर बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई दिग्गज एक्टर, एक्ट्रेस, डायरेक्टर, और नामी चेहरे ने स्टाइलिश अंदाज में सिरकत की। बीते बुध वार को रश्मिका और विजय के रिसेप्शन में पहुंचे सेलेब्रिटीज में एक नाम नीना गुप्ता का भी है, जो हिंदी फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री की एक शानदार अभिनेत्री, निर्देशक और निर्माता हैं। कपल के रिसेप्शन में अभिनेत्री अपने पति विवेक मिश्रा के साथ पहुंची। अभिनेत्री के बीते दिन की एक खूबसूरत तस्वीर को गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। पोस्ट को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, आप दोनों और आपके परिवारों से मिलकर बहुत अच्छा लगा। आप सब बहुत ही मिलनसार, सम्मानजनक और प्यारे थे। भगवान आप दोनों को आशीर्वाद दें। नीना और विवेक की ओर से आपको दोनों को ढेर सारा प्यार।रश्मिका और विजय के साथ नीना और उनके पति की खूबसूरत तस्वीर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। पोस्ट पर कुछ ही घंटे में हजारों व्यूज और लाइक्स आ चुके हैं। वहीं, नीना के रिसेप्शन लुक की बात करें तो उन्होंने सफेद रंग की एक एलेगेंट सारी पहनी है, जिसपर गोल्डन प्रिंट हैं।कट स्लीव ब्लाउज में अभिनेत्री का लुक काफी शानदार लग रहा है। खुले बाल, लाइट मेकअप और गोल्डन ज्वैलरी से नीना के लुक की एलेगेंस काफी बढ़ जाती है। इसी के साथ अभिनेत्री ने हाथ में एक लाल रंग का बैग रखा हुआ है। वहीं, उनके पति विजय काले रंग के कोट और ब्राउन पैंट में उनको काफी कंप्लीमेंट कर रहे हैं।रश्मिका और विजय के रिसेप्शन लुक की बात करें, तो अभिनेत्री ने प्लेन लाल रंग की साड़ी पहनी है, जिसका बॉर्डर भारी है। स्लीक बन, नेचुरल मेकअप, और गोल्डन ज्वेलरी के साथ उन्होंने अपनी रिसेप्शन लुक को पूरा किया है। वहीं, विजय पूरी तरह साउथ इंडियन लुक में नजर आ रहे हैं।

द केरल स्टोरी 2 : गोज बियॉन्ड के नए गाने को आदिति भाटिया ने किया प्रमोट, शेयर किया वीडियो

भारतीय टेलीविजन और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री आदिति भाटिया ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर अपनी नई फिल्म द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड के नए गाने का एक वीडियो शेयर किया है। हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड के एक नए गाने का क्लिप शेयर करते हुए अदिति ने पोस्ट कैप्शन में लिखा, जब प्रेम भक्ति में बदल जाता है, तब राधा केवल एक नाम फुसफुसाती है ख कान्हा। उन्होंने लिखा, कान्हा अब रिलीज हो चुकी है। इसी के साथ अभिनेत्री ने फिल्म को प्रोमोट करते हुए आगे लिखा, अब सहेंगे नहीं, लड़ेंगे। केरल स्टोरी 2 सिनेमाघरों में जारी है। वीडियो में एक्ट्रेस गुलाबी रंग के घाघरा-चोली में शानदार डांस करते नजर आ रही है। गाने में आदिती को आप भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में जमकर नृत्य करते देख सकते हैं।

आप हमारी यादों में हमेशा जीवित रहेंगी, अभिनेत्री शम्मी को जैकी श्रॉफ ने दी श्रद्धांजलि

हिंदी सिनेमा में करीब पांच दशकों तक अपनी सशक्त अदाकारी से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली मशहूर अभिनेत्री शम्मी की शुक्रवार को पुण्यतिथि है। इस अवसर पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जैकी श्रॉफ ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभिनेत्री की एक पुरानी तस्वीर साझा की। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, आप हमारी यादों में हमेशा जीवित रहेंगी। जैकी श्रॉफ की इस पोस्ट को देखकर प्रशंसक भी भावुक हो गए। कई लोगों ने कमेंट करते हुए लिखा कि शम्मी जी की मुस्कान और उनकी सहज अदाकारी आज भी लोगों के दिलों में बसती है।शम्मी करीब छह दशकों तक मनोरंजन जगत में सक्रिय रहीं। उनका असली नाम नरगिस रबादी था, लेकिन बाद में वे श्शम्मी आंटीश्य के नाम से बेहद लोकप्रिय हो गईं। उन्होंने फिल्मों में आंटी, नानी और परिवार की बुजुर्ग महिला जैसे अनेक किरदार निभाए, जिनकी बदौलत वे घर-घर में पहचानी जाने लगीं।उनके श्शम्मीश्य नाम रखने के पीछे भी एक दिलचस्प कहानी बताई जाती है। कहा जाता है कि करियर के शुरुआती दौर में जब नरगिस रबादी काम की तलाश में थीं, तब उन्हें अपनी पहली फिल्म श्उस्ताद पेड्रोश्य मिली। इस फिल्म के निर्माता शेख मुख्तार ने उन्हें अपना नाम बदलने की सलाह दी थी, क्योंकि उस समय अभिनेत्री नरगिस दत्त इंडस्ट्री का बड़ा नाम थीं। नाम की समानता से बचने के लिए नरगिस रबादी ने अपना नाम बदलकर श्शम्मीश्य रख लिया।अभिनेत्री ने फिल्मों के अलावा, टेलीविजन में भी काम किया है। उन्होंने टीवी पर कॉमेडी में अपनी अमिट छाप छोड़ी, जिसमें देख भाई देख, जबान संभाल के, श्रीमान श्रीमती, कभी ये कभी वो, और फिल्मी चक्कर जैसे सीरियल शामिल हैं।वे फैशन डिजाइनर मणि रबादी की छोटी बहन थीं। फिल्म निर्माता सुल्तान अहमद के साथ उनकी शादी सात साल में टूट गई। वह अभिनेत्री नरगिस दत्त की बहुत अच्छी दोस्त थीं। अभिनेत्री ने मल्हार (1951), इल्जाम (1954), हलाकू (1956), दिल अपना और प्रीत पराई (1960), हाफ टिकट (1962), कुली नंबर 1 (1991), गोपी किशन (1994), हम साथ-साथ हैं (1999), और शिरीन फरहाद की तो निकल पड़ी (2013) जैसी फिल्मों में काम कर अपने अभिनय का लोहा मनवाया था।

हिन्दी दैनिक जोखिम

देश विकास और सुशासन की नई गाथाएँ लिख रहा है : मुख्यमंत्री धामी

हरिद्वार(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में वर्ष 2022 में उत्तराखंड की जनता ने सभी मिथकों को तोड़कर प्रचंड बहुमत से सरकार को दुबारा आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के स्वप्न को साकार किया गया है। नागरिकता संशोधन अधिनियम को लागू कर वर्षों से उपेक्षित हिन्दू शरणार्थियों को सम्मान और सुरक्षा का अधिकार दिलाया गया। भारतीय न्याय संहिता सहित तीन नए कानूनों के माध्यम से न्याय व्यवस्था को भारतीय आत्मा के अनुरूप बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा गृह मंत्री के नेतृत्व में देश में आतंकवाद और नक्सलवाद पर प्रभावी अंकुश लगाया गया है। जिन क्षेत्रों में अशांति और भय होता था, आज वो क्षेत्र विकास के नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। कश्मीर के लाल चौक पर कभी तिरंगा फहराना, एक चुनौती माना जाता था, आज वहां गर्व और सम्मान के साथ तिरंगा लहरा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा गृह मंत्री के नेतृत्व में देश, सहकारिता के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सनातन का जयघोष चारों दिशाओं में गूंज रहा है। अयोध्या जी में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरीडोर, उज्जैन में महाकाल लोक, बद्रीनाथ धाम और केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री ने केंद्र द्वारा हरिद्वार में आयोजित होने वाले कुंभ के लिए 500 करोड़ रुपए स्वीकृत करने पर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा निश्चित ही आगामी कुंभ सनातन का गौरव बढ़ाने वाला कुंभ होगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के समग्र विकास के साथ समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन पर कार्य किया जा रहा है। राज्य में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रेल एवं हवाई कनेक्टिविटी सहित सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा रहा है। वर्ष 2023 में ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन कर राज्य में 3.56 लाख करोड़ के निवेश समझौते किए। जिसमें 1 लाख करोड़ से ज्यादा के ग्राउंडिंग हो चुकी है।मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने कई ऐतिहासिक कार्य किए हैं। राज्य में पहली बार जी-20 जैसे वैश्विक सम्मेलन का आयोजन, राज्य में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन, जिसमें राज्य के खिलाड़ियों ने 100 से अधिक मैडल प्राप्त कर राज्य को अंक तालिका में 7वां स्थान प्राप्त हुआ। राज्य में पहली बार वर्षभर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शीतकालीन यात्रा प्रारम्भ, जैसे कई ऐतिहासिक निर्णय लिए

हैं।मुख्यमंत्री ने कहा राज्य में बीते चार सालों में आर्थिकी में डेढ़ गुना से अधिक वृद्धि हुई है, बीते वर्ष में राज्य की जीएसडीपी में 7.23 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है और प्रतिव्यक्ति आय में 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बीते 4 वर्षों में राज्य बजट का आकार ₹ 60 हजार करोड़ से 1 लाख करोड़ से अधिक हो गया है, राज्य में 20 हजार से अधिक नए उद्योग स्थापित हुए हैं। बीते चार वर्षों में राज्य में स्टार्टअप की संख्या 700 से बढ़कर साढ़े 1700 हो गई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति आयोग द्वारा जारी वर्ष 2023-24 के सतत् विकास के इंडेक्स में देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। राज्य में पर्यटन, एविएशन और खेल के विकास से जुड़े क्षेत्रों में भी बेस्ट स्टेट फॉर प्रमोशन ऑफ एविएशन इकोसिस्टम तथा बेस्ट विलेज, बेस्ट डिस्ट्रिक्ट जैसे राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा उत्तराखंड को नेशनल लॉजिस्टिक्स इंडेक्स, स्टेट स्टार्टअप इकोसिस्टम, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, स्टेट एनर्जी एंड ग्रीन इंडेक्स जैसे कई राष्ट्रीय सूचकांकों में भी विभिन्न पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के मार्गदर्शन में उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू कर सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। उन्होंने कहा हमें गर्व है कि हमने न्ब्ब को लागू कर उसे प्रभावी रूप से धरातल पर उतारने का कार्य भी किया है।

संक्षिप्त समाचार...

शाह के स्वागत में गूंजे पहाड़ी गीत

हरिद्वार(संवाददाता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के स्वागत में शंकराचार्य चौक पर पहाड़ी गीत गूंजे। पारंपरिक वाद्य यंत्रों के बीच पहाड़ी वेशभूषा में सजे कलाकार उनके स्वागत के लिए खड़े थे। जैसे ही शाह का काफिला गुजरा, कलाकारों ने लोकगीत गुनगुनाए। उनका काफिला गुजरने के बाद भी लोक कलाकारों का गीत-संगीत जारी रहा। गुजरात से आई महिला पर्यटकों ने 'बेडू पाको बारामासा' गीत पर नृत्य किया। कई लोगों ने इस पल को मोबाइल कैमरों में कैद किया।

वीआईपी मूवमेंट के बीच जाम से जूझे लोग

हरिद्वार(संवाददाता)। हरिद्वार में शनिवार को वीआईपी मूवमेंट के बीच आम लोग जाम के झाम से जूझते नजर आए। पुलिस से ट्रैफिक प्लान लागू होने के बाद भी लोगों को राहत नहीं मिली। शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बैरागी कैंप में धामी सरकार के 'चार साल बेमिसाल' थीम पर आयोजित जनसभा को संबोधित किया। लिहाजा, मंत्री-विधायकों से लेकर प्रदेशभर से भाजपा नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जुटे। वीआईपी मूवमेंट और पार्टी कार्यकर्ताओं की भीड़ के कारण हरिद्वार की यातायात व्यवस्था दिनभर प्रभावित रही। मुख्य मार्गों के साथ ही नेशनल हाईवे पर कई जगह जाम की स्थिति देखी गई। बैरागी कैंप के आसपास वाहनों की लंबी कतार नजर आई। हालांकि, यातायात व्यवस्था को संभालने के लिए पुलिस बल तैनात था, लेकिन आमजन को राहत नहीं मिल सकी।

पचास किलो प्रतिबंधित मांस के साथ आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार(संवाददाता)। पथरी थाना पुलिस ने 50 किलो प्रतिबंधित मांस के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही, आरोपी के खिलाफ गौवंश संरक्षण अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर के निर्देश पर हरिद्वार में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर शनिवार सुबह ऐथल से खांड बस्ती की ओर जाने वाली चक रोड पर ट्यूबवेल के पास छापेमारी की गई। आरोपी जाहूर (39) पुत्र लियाकत निवासी ऐथल को 50 किलो प्रतिबंधित मांस के साथ गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष मनोज नौटियाल ने बताया कि आरोपी को कोर्ट में पेश किया जा रहा है।

डोगीवाला मार्ग से अतिक्रमण हटाए प्रशासन

हरिद्वार(संवाददाता)। पथरी क्षेत्र के धनपुरा स्थित डोगीवाला के लोगों ने डीएम को पत्र देकर सड़क की पैमाइश के साथ अतिक्रमण हटवाने की मांग उठाई है। उनके अनुसार, अवैध कब्जे के कारण आवागमन में अक्सर दिक्कतें आ रही हैं। उन्होंने डीएम को बताया कि धनपुरा अस्पताल से डोगीवाला जाने वाले मार्ग पर दोनों ओर अतिक्रमण है। इसके कारण वहां से गुजरने वाले लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। रात के समय आपात स्थिति में मरीज को अस्पताल ले जाते समय भी रास्ते में अवैध कब्जे के कारण वाहन किसी तरह निकालना पड़ता है। उन्होंने इससे पहले राजस्व अफसरों को सड़क की पैमाइश के लिए पत्र दिया गया था, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

खाद्य पूर्ति विभाग की वेबससाइट ठप होने से कार्डधारक परेशान

रुड़की(संवाददाता)। खाद्य पूर्ति विभाग की वेबसाइट बंद होने से राशन कार्ड से जुड़े कार्य ठप हो गए हैं। इससे नए राशन कार्ड बनवाने और पुराने कार्ड में नाम जोड़ने-हटाने जैसे काम नहीं हो पा रहे हैं। वेबसाइट बंद रहने के कारण उपभोक्ताओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और लोग बार-बार खाद्य पूर्ति कार्यालय के चक्कर काटने को मजबूर हैं। विभागीय स्तर पर पोर्टल में तकनीकी बदलाव और सिस्टम अपडेट का काम चल रहा है। इसी वजह से वेबसाइट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। हालांकि अब इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। कई लोगों को आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए राशन कार्ड की आवश्यकता है, जबकि कुछ लोगों को बैंक, स्कूल और अन्य सरकारी कार्यों में दस्तावेज के रूप में राशन कार्ड की जरूरत पड़ रही है। साइट बंद होने से इन सभी कामों में बाधा आ रही है। रुड़की के आदर्शनगर निवासी राजेश कुमार, अजय सैनी, मोहित राजपूत आदि ने बताया कि वह अपने परिवार के सदस्यों का आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए राशन कार्ड में नाम जुड़वाना चाहते थे, लेकिन साइट बंद होने के कारण उनका काम नहीं हो पा रहा है। वहीं रामनगर निवासी शबनम ने बताया कि उन्हें बच्चों के स्कूल में दस्तावेज जमा कराने के लिए राशन कार्ड की जरूरत है, लेकिन कई दिनों से कार्यालय के चक्कर लगाने के बाद भी काम नहीं बन पा रहा है।

बिजली आपूर्ति चरमराने से किसानों की बढ़ी परेशानी, सिंचाई प्रभावित

रुड़की(संवाददाता)। कस्बे व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शनिवार को विद्युत आपूर्ति पूरी तरह चरमरा गई। दिनभर बिजली की आवाजाही और अघोषित कटौती के कारण किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। खासकर उन किसानों के लिए स्थिति अधिक चुनौतीपूर्ण रही, जो इन दिनों गेहूं की फसल की सिंचाई में जुटे हैं। शनिवार सुबह से ही बिजली की सप्लाई सुचारु न रहने के कारण खेतों में लगे ट्यूबवेल बंद पड़े रहे। गेहूं की फसल इस समय अपनी महत्वपूर्ण अवस्था में है, जहां समय पर पानी न मिलने से पैदावार पर सीधा असर पड़ सकता है। यशवीर, रोहतास, योगेंद्र, अनुज, विनोद, चमनलाल, राजपाल और देवपाल सहित कई किसानों का कहना है कि बिना किसी पूर्व सूचना के घंटों बिजली गायब रही।

रंजिश के चलते दो सगे भाइयों को मारपीट कर किया लहूलुहान

रुड़की(संवाददाता)। नरोजपुर गांव में खेत पर खड़े पेड़ों को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। रंजिश के चलते एक पक्ष के चार लोगों ने दूसरे पक्ष के दो सगे भाइयों के घर में घुसकर उनके साथ मारपीट कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने एक युवक के गले में रस्सी का फंदा डालकर हत्या का प्रयास भी किया। शोर-शराबा सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस ने पिता-पुत्र सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लक्सर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रवीण सिंह कोश्यारी ने बताया कि नरोजपुर गांव निवासी फातिमा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 10 फरवरी की शाम उनके पड़ोसी से खेत की मेड़ पर खड़े पेड़ों को लेकर विवाद हो गया था। उन्होंने बताया कि पड़ोसी से बंजर जमीन को लेकर पहले से भी विवाद चला आ रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक - संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email: jokhimdehradun2006@gmail.com